

श्रीमती प्रतिभा प्रहलाद

Smt. Prathibha Prahlad



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्रीमती प्रतिभा प्रहलाद

श्रीमती प्रतिभा प्रहलाद सुप्रसिद्ध भारतीय नृत्यांग्ना हैं। 39 वर्षों के अपने कैरिअॅर के दौरान आप अभिनेता, नृर्तक, शिक्षक, लेखक, कला उद्यमी तथा परफोरमिंग आर्ट फेस्टिवल्स की पुरोधा संग्रहाध्यक्ष रही हैं।

2. आपका जन्म 29 जनवरी, 1962 को मैसूर में हुआ था और आपने नृत्य का अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण श्रीमती प्रोफैसर यू एस कृष्णराव के मार्गदर्शन में प्राप्त किया। इसके पश्चात, आपने श्रीमती कलानिधि नारायणन एवं गुरू वी एस मुथुस्वामी जैसे दिग्गजों के मार्गदर्शन में भरतनाट्यम तथा गुरू डॉ. वेमपती चिन्ना सत्यम से कुचीपुडी का कड़ा प्रशिक्षण प्राप्त किया। 20 वर्ष की आयु तक आते–आते आप एक प्रतिष्ठित पेशेवर नृत्यांगना बन गई। अपने कैरिअॅर के दौरान आप आपने भारतवर्ष में अनेक मंचों तथा 50 से भी अधिक देशों में कई प्रतिष्ठित समारोहों में अपनी प्रस्तुति दी।

3. समकालीन नृत्य इतिहास में प्रसिद्ध फाउंडेशन एंड फोरम फोर आर्ट बियोंड बोर्डर्स की संस्थापक प्रबंधन न्यासी के रूप में आपका कला के क्षेत्र में गहन एंव अतुलनीय योगदान रहा है। दिल्ली अन्तरराष्ट्रीय कला उत्सव नामक भारत के प्रतीक (सिगनेचर) कला उत्सव को शुरू करने में आपके द्वारा किए गए अभिनव प्रयासों की वजह से भारत की उर्जावान सांस्कृतिक छाप को वैश्विक स्तर पर नया आयाम प्राप्त हुआ हैं। आप प्रदिद्धा डांस रेपेट्री की कला निदेशक एवं अत्यंत सम्माननीय नृत्य प्रशिक्षक हैं। 'रिद्म एडं हार्मनी' 'पांचजन्य–साइट्स एडं साउंड ऑफ इंडिया' तथा वंदे मातरम जैसी प्रस्तुतियों की वजह से आपकी अत्यंत सराहना हुई हैं। आपने संस्कृति से संबद्ध सरकार की अनेक समितियों में तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय रंगकला के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए भी गहन रूप से कार्य किया है।

4. आप 9 वर्षों से चल रहे गौरवमय दिल्ली अन्तर राष्ट्रीय कला महोत्सव की संस्थापक महोत्सव निदेशक हैं। डाक विभाग, भारत सरकार द्व ारा वर्ष 2011 में डी आई ए एफ के मिशन विवरण के साथ दिल्ली अन्तर राष्ट्रीय कला उत्सव की 'फर्स्ट डे कवर' एवं डी आई ए एफ लोगो (चिन्ह) वाली निरस्त डाक टिकट जारी की गई। कला के क्षेत्र में आपके असाधारण कार्य के सम्मान स्वरूप भारतीय डाक एवं तार विभाग द्वारा 5/–रू. मूल्य की 'माई स्टैम्प' नामक भारतीय डाक टिकट पर प्रदर्शित होने वाली अपनी पीढी की एकमात्र विभूति होने का गौरव प्राप्त हैं।

5. कला संभाषी के रूप में मास कम्युनिकेशन (जनसम्पर्क माध्यम) में स्नातक की डिग्री तथा परफोरमेंस प्रिंट एवं टेलीविजन मीडिया में उनके स्पृहणीय अनुभव ने उनके गौरव को और बढा दिया है। आप प्रमुख समाचार–पत्रों में लेख लिखती हैं तथा आपको राष्ट्रीय एवं अन्तर राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित संगोष्ठियों एवं अन्य शैक्षिक गतिविधियों में प्रायः अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता हैं। आपने टेलीविजन सीरियल का निर्माण एवं निर्देशन करने के साथ–साथ उनमें अभिनय भी किया हैं। आपने नृत्य एवं संबद्ध विषयों के बारे में पुस्तकें भी लिखी हैं।

6. आपको विभिन्न पुरस्कारों एवं उपाधियों से सम्मानित किया गया हैं। केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (2001) प्राप्त करने वाली आप सबसे युवा पुरस्कार विजेता हैं। आपको कर्नाटक राज्य सरकार पुरस्कार (2001), कर्नाटक का संगीत नृत्य अकादमी पुरस्कार–'कर्नाटक कलाश्री (1997)' से सम्मानित किया गया हैं। कई निजी संगठनों में भी आपको सम्मान प्रदान किया है।

Smt. Prathibha Prahlad

Smt. Prathibha Prahlad is an acclaimed Indian Classical dancer. In a career spanning 39 years, she has been a performer, choreographer, educator, author, arts entrepreneur, and a pioneering curator of performing arts festivals.

2. Born on 29th January, 1962 in Mysore, Smt. Prahlad had her early training in dance under Smt. & Prof. U.S. Krishna Rao. Thereafter, she underwent rigorous training in Bharatanatyam under stalwarts like Smt. Kalanidhi Narayanan and Guru V.S. Muthuswamy Pillai and in Kuchipudi under Guru Dr. Vempatti Chinna Satyam. By the time she was 20, she was an established professional dancer. Her career has taken her to platforms all over India and to several prestigious Festivals in over 50 Countries.

3. As the Founder Managing Trustee of Prasiddha Foundation & Forum For Art Beyond Borders, Smt. Prahlad's contribution to the arts is profound and unparalleled in contemporary dance history. Her innovating efforts in creating India's signature arts festival -Delhi International Arts Festival have given a new dimension to the dynamic cultural footprints of India globally. She is the Artistic Director of Pradiddha Dance Repertory and is a highly respected choreographer. He multi-style productions 'Rhythm & Harmony', 'Panchajanya –Sights & Sounds of India' and "Vande Mataram" have won her huge accolades. Smt. Prahlad has served extensively on several Government Committees on culture and worked for the propagation of India performing arts, both nationally & globally.

4. Smt. Prahlad is the Founder Festival Director of the prestigious Delhi International Arts Festival which has run for 9 years. The Dept. of Posts, Govt of India, released a 'First Day Cover' of the Delhi International Arts Festival in 2011, with DIAF's mission statement and a cancelled stamp of the DIAF Logo. She also has the unique distinction of being the only dance of her generation to be on an Indian Postal 'My Stamp' of Rs.5 /- released by the India Posts & Telegraphs Dept., as a special honour to her extraordinary work in the arts field.

5. A post graduate degree in Mass Communications and an enviable experience in the performance print and television media add to her distinction as an arts interlocutor. She writes articles in leading newspapers and is a frequent invitee to seminars and other academic activities nationally and internationally. She has produced, directed and acted in television serials. She has also authored books on dance & other related subjects.

6. Smt. Prahlad is the recipient of numerous awards and titles. She is the youngest recipient of the Central Sangeet Natak Akademi Award (2001). She has also received the Karnataka State Government Award (2001), Sangeet Nritya Academy Award of Karnataka- 'Karnataka Kalasri' (1997). Several private Organisations too have conferred honours on her.